

चटकिका स्त्री. (तत्.) मादा चिड़िया।

चटकी स्त्री. (तत्.) गौरैया, बुलबुल की तरह की एक चिड़िया जो आठ या दस अंगुल लंबी होती है।

चटकीला वि. (देश.) 1. गहरे रंग वाला, जिसका रंग हल्का या फीका न हो, शोख 2. तीखा, चरपरा, चटपटा 3. भटकदार, भड़कीला 4. स्फूर्तिवान या सुस्फूर्त, फूर्तीला 5. आभायुक्त।

चटखनी स्त्री. (देश.) दे. चटकनी।

चटखार पुं. (देश.) स्वादपूर्वक खाने एवं चाटने का शब्द।

चटखारा पुं. (देश.) स्वादिष्ट वस्तु खाते समय मुँह में आने वाली आवाज़ मुहा. चटखारे भरना-आनंदपूर्वक स्वाद से खाना, मजे के साथ खाना।

चटचट स्त्री. (अनु.) चटकने का शब्द, टूटने का शब्द 2. जलती हुई लकड़ियों की 'चट-चट' आवाज, 'चटचटाहट' 3. उँगली चटकाने से हुआ शब्द 'चट चट'।

चटचटाना अ.क्रि. (देश.) 1. चटचट करते हुए टूटना या फूटना 2. गांठदार लकड़ी और कोयले आदि का 'चट-चट' शब्द करते हुए जलना।

चटनी स्त्री. (देश.) 1. चाटने की चीज़ या पदार्थ, अवलेह 2. वह चरपरी वस्तु जो पुदीना, हरा धनिया, मिर्च, खटाई आदि के साथ पीसने से बनती है मुहा. चटनी करना- बहुत महीन पीसना, चूर-चूर कर देना; चटनी समझना-आसान समझना; चटनी होना- पिस जाना, चुक जाना, खत्म हो जाना, उड़ जाना।

चटपटा वि. (देश.) चरपरा, तेज स्वाद का, मजेदार पुं. चटपटा भोजन, चटपटी वस्तु, चाट।

चटपटाना अ.क्रि. (देश.) जल्दी करना, हड़बड़ी मचाना।

चटपटी स्त्री. (देश.) 1. शीघ्रता, फूर्ती, जल्दी 2. 'चटपटा' का स्त्रीलिंग रूप क्रि.वि. (देश.) चटपटी वस्तु, चाट वि. चरपरी, तेज स्वाद की, मजेदार 2. आतुरता, हड़बड़ी, उतावली 3. किसी संक्रामक

रोग से मनुष्यों की यकायक एवं जल्दी मृत्यु होना 4. चटपट, अत्यंत-शीघ्र, तुरंत उदा. उन्हें सवेरे बुखार आया और दोपहर तक स्वर्ग सिधार गए, क्या ही चटपटी मौत हुई।

चटरजी (चटर्जी) पुं. (बं.) 'चट्टोपाध्याय' का तद्भव रूप (बंगदेश के ब्राह्मणों की एक उपजाति) उपाधि।

चटवाना प्रेर.क्रि. (देश.) 1. चाटने की क्रिया करना 2. किसी तेज धार वाले हथियार छुरी, तलवार आदि पर सान रखवाना।

चटशाला स्त्री. (देश.+तत्) (चटशाला या चटसार) छोटी पाठशाला, बच्चों के पढ़ने का स्थान।

चटाई स्त्री. (देश.) 1. घास, बेंत तथा बांस आदि की छाल का बना हुआ बिछौना 2. चाटने की क्रिया।

चटाक पुं. (अनु.) 1. लकड़ी आदि के टूटने, चटकने अथवा चपत या थप्पड़ पड़ने पर होने वाला शब्द उदा. 'यकायक फैक देने पर उसकी लकड़ी की छड़ी चटाक से टूट गई 2. चकत्ता, दाग, धब्बा।

चटाचट स्त्री. (अनु.) 1. किसी वस्तु के टूटने या फूटने में 'चट-चट' का शब्द 2. किसी वस्तु के टूटने-फूटने में 'चट-चट' की आवृत्तियुक्त ध्वनि या आवाज।

चटाना स.क्रि. (देश.) 1. चाटने का काम कराना, किसी वस्तु को जीभ से चाटते हुए थोड़ा-थोड़ा करके मुँह में डालने की क्रिया कराना 2. किसी चटनी या अवलेह सदृश पदार्थ को दूसरे की जीभ या मुँह में डालना या तरल पदार्थ को चटाना 3. काम कराने के लिए उत्कोच या घूस देना उदा. हरेश ने बड़े ओहदेदारों को चटाया होगा तभी इतनी बड़ी नौकरी मिली है 4. छुरी, तलवार आदि पर सान रखवाना।

चटावन पुं. (देश.) 1. अन्नप्राशन (बच्चे को पहले-पहल अन्न चटाना) संस्कार।

चटिका स्त्री. (तत्.) 1. मादा गौरैया 2. पिपरामूल।

चटियल वि. (देश.) 1. सपाट मैदान जहाँ पेड़-पौधे न हो, खुला मैदान 2. अनावृत्त।